वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 152 | बुधवार 25 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

महिला बाल विकास शासन सचिव ने ली समीक्षा बैठक

जयपुर. कासं

महिला अधिकारिता निदेशालय के सभागार में मंगलवार को आईसीडीएस जिला उपनिदेशकों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने की। समेकित बाल विकास सेवाएं निदेशक ओ पी बुनकर की उपस्थिति में बैठक के दौरान कई निर्देश दिए गए। शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को अपना प्रशासनिक पुनर्जागरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सामान्य से थोड़े और अधिक बेहतर प्रयास करने से बेहतरीन परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आप अपने स्तर पर पहल करें तो निश्चित ही व्यवस्थाएं उत्कृष्ट होंगी। इससे लक्षित वर्ग जैसे महिलाएं, बालिकाएं, बच्चें, गर्भवती और धात्री महिलाएं और अधिक सरलता से लाभान्वित हो सकेंगी। आईसीडीएस की ओर से लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को समय पर मानदेय का भुगतान नियत समय पर किया जाए।

राज्यपाल की अध्यक्षता में प्रदेश के विश्वविद्यालयों को NAAC नेक रैंकिंग हेतु बैठक आयोजित

राज्यपाल ने कहा, सभी वित्तपोषित विश्वविद्यालयों की समयबद्ध नेक रैंकिंग करवाने की कार्यवाही हो

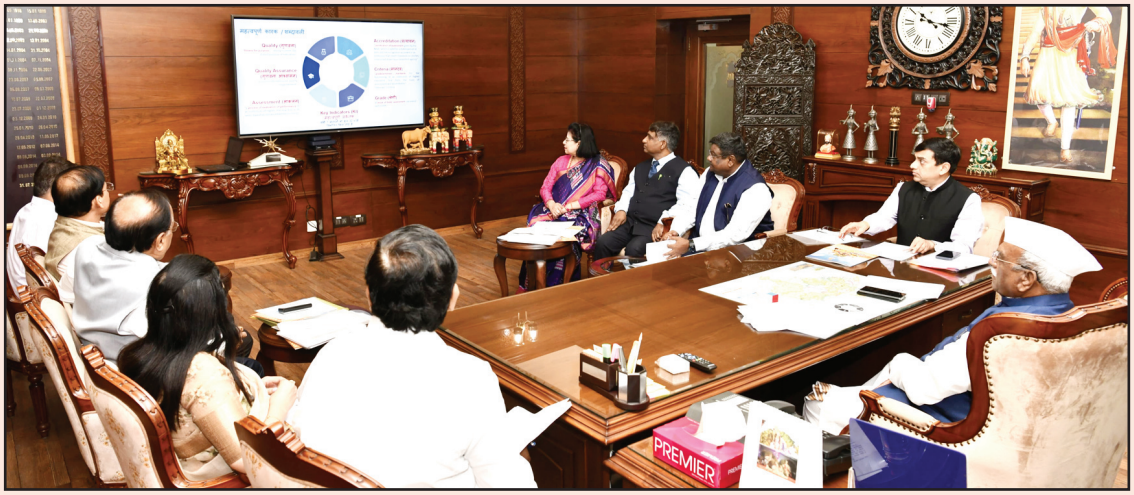

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की अध्यक्षता में मंगलवार को राजभवन में प्रदेश के विश्वविद्यालयों को NAAC नेक रैंकिंग सुनिश्चित कराने के लिए विशेष बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में राज्यपाल ने राज्य के सभी वित्तपोषित विश्वविद्यालयों की आवश्यक रूप से नेक रैंकिंग करवाने और इसके लिए सभी तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभी से इस संबंध में विश्वविद्यालयों के अंतर्गत ऑनलाइन व ऑफलाइन डाक्यूमेंटेशन शुरू करने और शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि, विश्वविद्यालय में मौलिक शोध और पेटेंट आदि जरूरी मुद्दों पर प्रभावी कार्यवाही किए जाने का आह्वान किया। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की गाइडलाइन के अनुसार इस संबंध में तैयारी करने तथा विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर की स्थापना करने, भारतीय ज्ञान परंपरा, राष्ट्र प्रेम आदि पर पाठ्यक्रम चलाए जाने पर चर्चा हुई। राज्यपाल के सचिव डा. पृथ्वी ने नेक कमेटी के अंतर्गत विश्वविद्यालयों की नेक रैंकिंग करवाने के लिए समयबद्ध और प्राथमिकता से कार्य किए जाने पर जोर दिया। बैठक में इस अवसर पर नेक कमेटी संयोजक डॉ. आरुषि अजय मलिक, शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार एवं कमेटी सदस्य प्रो. आंनद भालेराव, कुलपति राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय किशनगढ़ अजमेर, प्रो कन्हैया लाल श्रीवास्तव, कुलपति जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर, प्रो. सुनीता मिश्रा, कुलपति मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर, डॉ. कैलाश सोडाणी, कुलपति वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा, प्रो. एस. के सिंह, कुलपति राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा मौजूद रहे।

राजस्थान फाउंडेशन आयुक्त की फिनलैंड के राजदूत से मुलाकात

राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस और राइजिंग राजस्थान समिट के लिए किया आमंत्रित

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा ने मंगलवार को नई दिल्ली में फिनलैंड के राजदूत किमो लाहदेवीरता से मुलाकात की और राजस्थान सरकार की ओर से 1 अक्टूबर को होटल ताज मान सिंह, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राजदूतों के गोलमेज सम्मेलन के साथ ही राइजिंग राजस्थान समिट 2024 के लिए आमंत्रण दिया। इस समिट का उद्देश्य राजस्थान राज्य में वैश्विक निवेश आकर्षित करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। डॉ. अरोड़ा ने बताया कि राजस्थान में निवेश के लिए बहुत अच्छे मौके हैं। उन्होंने राजदूत के साथ बैठक में राजस्थान के मजबूत बुनियादी ढांचे और

अनुकूल निवेश वातावरण पर प्रकाश डाला और प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में राजस्थान और फिनलैंड के बीच सहयोग की संभावना पर जोर दिया। डॉ. अरोड़ा ने बताया कि राजदूत लाहदेवीरता ने राजस्थान में निवेश के अवसरों का पता लगाने में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार किया और राजस्थान की जीवंत परंपराओं के लिए अपना स्नेह व्यक्त किया। यह बैठक दिसंबर में होने वाले 'राइजिंग राजस्थान समिट' से पहले हुई है। इस सम्मेलन में दुनिया भर के निवेशक राजस्थान में निवेश की संभावनाओ से अवगत होंगे। सम्मेलन में भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यवसायों के बीच साझेदारी और सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए पैनल चर्चाओं, बी2बी बैठकों और नेटवर्किंग आयोजनों की एक श्रृंखला शामिल होगी। डॉ. अरोड़ा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के साथ राजस्थान के जुड़ाव को और मजबूत करने के लिए, बीकानेर हाउस, नई दिल्ली में आवासीय आयुक्त कार्यालय में कार्यक्रम निदेशक पियाली दासगुप्ता और RIICO से पार्थवी, ओएसडी, भी विभिन्न दूतावासों के उच्च अधिकारियों के साथ बैठकों और व्यक्तिगत बातचीत में सक्रिय रूप से शामिल रही हैं तथा संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, इटली, ब्राजील और अन्य दूतावासों के निरंतर सम्पर्क में है।

"भूमिका जैन" ने सीबीएसई वेस्ट जोन जूडो चैंपियनशिप गुजरात में गोल्ड मेडल जीता

जयपुर. शाबाश इंडिया

सीबीएसई वेस्ट जोन जूडो चैंपियनशिप गुजरात, बड़ौदा पब्लिक स्कूल मे संपन्न हुई। इसमें वेस्ट जोन के अनेक राज्यो के इंग्लिश मीडियम स्कूलों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में थड़ी मार्केट मानसरोवर निवासी श्रीमती चंदा देवी प्रेमचंद बाकलीवाल पीपला वालों की पोत्री तथा निधि राजेंद्र बाकलीवाल की सुपुत्री सुश्री भूमिका जैन ने गोल्ड मेडल जीता । उल्लेखनीय हैं कि ''भूमिका जैन'' जयपुर मानसरोवर स्थित कैंब्रिज कोर्ट हाई स्कूल की 12वीं क्लास की छात्रा हैं।

अज्ञान मनुष्य को निराश और पतन के मार्ग पर ले जाता है : महासती मधु सुधा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

अज्ञान शुत्र है,ज्ञान मनुष्य का हितेषी है। मंगलवार को जैन स्थाकन पंचायती नोहरा मे चातुमार्सार्थ विराजित महासती मधुसुधा ने आयोजित प्रवचन धर्मसभा श्रध्दांलूओ को धर्म उपदेश देतें कहा कि अज्ञान मनुष्य को निराश और पतन के मार्ग पर ले जाता है जबकि ज्ञान आत्मिक उन्नति का पर्याय बनकर जीवन समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नयन की आधारशिला रखता है। ज्ञान मनुष्य को तृप्ति, संतोष, आनंद, शांति व निर्भयता का दान देता है,जबकि मनुष्य का अज्ञान, अतृप्ति, असंतोष, अशांति व जीवन मे भय को जन्म देता है। ज्ञान वो प्रकाश हो जो हमारे जीवन से अंधकार को मिटाता और सत्य का प्रकाश हमे ज्ञान से ही प्राप्त हो सकता है सत्य और असत्य का भेद हमे ज्ञान से मिलेगा । जबकि अज्ञान से जीवन मे अंधकार मिलने वाला है। साध्वी साध्वी संयम सुधा ने कहा कि ज्ञान और अज्ञान जीवन मे नदी के दो तट कि तरह हैं। एक का उद्देश्य जीवन-लक्ष्य की खोज है तो दूसरे का जीवन के लक्ष्य से भटकाव। ज्ञान से पुण्य का उदय होता है, जबकि अज्ञान, पाप व भय को जन्म देता है। जबकि ज्ञान वो दिपक है,जो हमारे जीवन का अंधकार को दूर कर सकता है। श्रीसंघ के अध्यक्ष सुरेश नागौरी महामंत्री रोशनलाल जैन, दिनेश हिगंड,शंकरलाल डांगी, निर्मल गोखरू आदि पदाधिकारियों के साथ तारक मित्र मंडल के सदस्यों उपस्थिति रहीं। डॉ. प्रिती सुधा जी म. सा ने 22 उपवास के प्रत्याख्यान लिए आगे बड़ी तपस्या की ओर अग्रसर है। दोपहर श्राविका संघ द्वारा चौबीसी कार्यक्रम रखा गया जिसमे तपस्या के मंगल गीत गाये गयें।

गुरुभक्त विनोद चौधरी ने प्राप्त किया गुरुमां का मंगल आशीर्वाद

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी राजस्थान की पावन धरा पर द्वितीय वर्षायोग 2024 के अंतर्गत परम पूज्य भारत गौरव गणिनी गुरुमां विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में धर्म की महती प्रभावना हो रही है। निरंतर चल रही भक्ति आराधना से क्षेत्र पर पवित्र ऊर्जा का संचार चारों दिशाओं में फैल रहा है। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा करने का सौभाग्य प्रदीप जैन किशनगढ़ सपरिवार को प्राप्त हुआ। आज के चातुर्मास संयोजक बनने का सौभाग्य राजेश जैन सरवाड़ सपरिवार ने प्राप्त किया। भक्तों की प्रबल भावना इस क्षेत्र के लिए विकासात्मक फल को प्राप्त करायेगी। प्रवचन के अंतर्गत श्रद्धालुओं को धर्म का सदुपदेश देते हुए माताजी ने कहां कि परिणामों की विशुद्धि अंतरंग की निर्मलता का साधन है। जिसका अंतरंग निर्मल होता है,उसके हृदय में भगवान का वास होता है। गुरु भक्त विनोद चौधरी जयपुर सपरिवार ने पूज्य गुरुमां का आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही निमार्णाधीन सहस्त्रकूट जिनालय का अवलोकन किया। प्रतिक जैन सेठी ने बताया कि उनियारा जैन समाज से एक बस में पधारे हुए यात्रियों ने अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान के दर्शनों का लाभ प्राप्त किया।

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति का राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने के लिए जाने वाली 26 सदस्याओं का किया सम्मान

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति का राष्ट्रीय अधिवेशन सागर मध्य प्रदेश निर्यापक मुनि पुंगव 108 श्री सुधा सागर जी महाराज के सानिध्य में में दिनांक 25..26 सितंबर 2024 को होने जा रहा है अधिवेशन में भाग लेने वाली सभी 26 सदस्याओं का आज रेलवे स्टेशन पर केसरिया तिलक लगाकर,माल्यार्पण करके सम्मान किया गया एवम यात्रा सफल हो के लिए शुभ कामनाएं प्रेषित की गई। समिति के महामंत्री कमल गंगवाल ने बताया कि राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के नेतृत्व में एवम युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा के संयोजन में अधिवेशन में अजमेर संभाग की भूमिका सर्वश्रेष्ठ रहे एवम कुंडलपुर जहा बड़े बाबा 1008 भगवान श्री आदिनाथ स्वामी का भव्य जिनालय है कि यात्रा निर्विघ्न संपन्न हो के लिए शुभ कामनाएं प्रेषित की गई। इस अवसर अध्यक्ष अतुल पाटनी, संरक्षक राकेश पालीवाल, कोषाध्यक्ष श्रेयांस पाटनी एवम मनीष अजमेरा की ओर से अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष अतुल पाटनी, संरक्षक राकेश पालीवाल, महामंत्री कमल गंगवाल, कोषाध्यक्ष श्रेयांस पाटनी, उपाध्यक्ष ताराचंद सेठी, व्यवस्थापक मंत्री मनीष पाटनी, मनीष अजमेरा, डॉक्टर मनीष छाबड़ा, महेंद्र काला, मनोज सेठी, दिनेश पाटोदी, अंजू अजमेरा, अनीता पाटनी आदि मोजूद रही।

स्वस्थ रहना है तो अर्हमध्यान योग करना चाहिएः मुनि 108 श्री प्रणम्य सागरजी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य संत एमएम शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि 108 श्री प्रणम्य सागरजी महाराज ने मंगलवार को त्रिवेणी नगर में मंगल उद्बोधनों में आज के परिसह प्रसंग में निशेद्ये , सैया आक्रोश के मर्म को समझाते हुए कहा की इनको सहने से आत्म शक्ति बढ़ती है उन्होंने बताया कि स्वस्थ रहना है तो अर्हमध्यान योग करना चाहिए उन्होंने बताया कि उपसर्ग चार प्रकार के होते हैं मनुष्य कृत, देव कृत, अचेतन त्रियंच कृत के बारे में बताया। प्रवचन से पूर्व साजो समान व अष्टद्रव के साथ त्रिवेणी नगर समाज ने पहले आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी और प्रणम्य सागरजी महाराज की पूजा की ।मंदिर समिति के अध्यक्ष महेन्द्र काला ने बताया कि इससे पूर्व श्रेष्ठीज्जनों ने दीप प्रज्वलन, महाराज श्री का पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेट किया । 108 मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज के सहकारिता और नागरिक उड्डयन मंत्री गौतम दक ने जयपुर में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया । इस अवसर पर मंदिर समिति के मन्त्री, रजनीश अजमेरा, राकेश छाबड़ा, नवरत्न मल सोगानी महावीर कासलीवाल नरेश कासलीवाल, लोकेश झांझरी, कैलाश सौगानी, अखिलेश बज, आकाश जैन, चिरंजी लाल बाकलीवाल, देवेंद्र कासलीवाल पदम चंद झांझरी, भागचंद पाटनी, पदम सोगानी, मीरा मार्ग मंदिर के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया मंत्री राजेंद्र सेठी, महिला मंडल की अध्यक्षया, सन्तोष सौगानी, मंत्री, शिमला पापड़ीवाल, बबीता लुहाड़िया, वंदना अजमेरा, मैना पाटनी, मृदुला काला सहित बड़ी संख्या में समाज बन्धु उपस्थित थे। महाराज श्री का बुधवार को प्रात 6:00 बजे त्रिवेणी नगर से बिहार कर शक्ति नगर, महेश नगर मंदिर होते हुए जनकपुरी के जैन मंदिर में मंगल प्रवेश होगा।

बॉब रिटायर्ड जैन मैत्री संघ का त्रिमासिक स्नेह मिलन कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। बॉब रिटायर्ड जैन मैत्री संघ का त्रिमासिक स्नेह मिलन कार्यक्रम 24 सितम्बर को दिन में 11 बजे रत्न कम्युनिटी सेंटर, मानसरोवर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में मंगलाचरणं मंन्जु जैन सेवावाले,वीनू जैन, निर्मला नाहर के द्वारा प्रस्तुत किया गया। बॉब रिटायर्ड जैन मैत्री संघ के तत्वावधान में दस लक्षण पर्व के दौरान आयोजित धार्मिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरुस्कार प्रदान किये गए।

प्रथमः सरोज रमेश काला

द्वितीयः ज्योति,मुनेंद्र गंगवाल

तृतीयः अनिल रेनू जैन

सांत्वना पुरस्कारः एम पी, उर्मिला पाटनी, पुष्पा, हेमन्त सोगानी,महेंद्र,विमला जैन, सुरेश मीनू जैन ने पुरस्कार प्राप्त किये।

प्रश्नित्तरी प्रतियोगिता के संयोजक महावीर जैन व मंन्जु जैन सेवावाले को आदिनाथ भगवान की तस्वीर भेंट कर, आर के सालेचा,जी आर लूंकड़ के द्वारा सम्मानित किया गया। अभिनन्दन जैन,पदम चन्द जैन,मंन्जु जैन सेवावाले ने धार्मिक प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता की खास बातें,विशेषताओं से भी अवगत कराया। सचिव अभिनन्दन जैन ने मैत्री संघ की गतिविधियों के बारे में बताया। संस्थापक अध्यक्ष पदम् चन्द जैन व अध्यक्ष आर के जैन ने आगन्तुको का स्वागत किया, नए जुड़े सदस्य भूपेंद्र जैन का भी स्वागत किया गया। निशा बड़जात्या द्वारा भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ।मंन्जु जैन सेवावाले द्वारा बनाई गई धार्मिक भजनों पर आधारित हॉउजी भी खेली गई। जिसका संचालन मंन्जु जैन सेवावाले, पदम् चन्द जैन, मुनेंद्र गंगवाल द्वारा किया गया जिसकी सभी ने भूरी भूरी प्रंशसा की गयी, सचिव अभिनंदन जैन ने आगामी तीर्थ यात्रा, जन्मस्थलियो के दर्शन हेतु 29 सितम्बर से 04 अक्टूबर तक होने जा रही है के बारे में विस्तार से दिशा निर्देश, सुचना देकर बताया, इस त्रैमासिक स्नेह मिलन कार्यक्रम में संघ के 125 सदस्यो-सह सदस्यो ने उपस्थिति दर्ज कराई। अंत में अध्यक्ष आर के जैन ने सभी का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया,तथा भोजन के लिए आमंत्रित किया। सभी ने शानदार व्यवस्था,भोजन, की सराहना करी।

वेद ज्ञान

स्वार्थी की दुर्गति निश्चित है

परमात्मा से सदैव यह प्रार्थना करो कि हे परमात्मा ! मेरे जीवन का ये फूल सदैव जीवनरूपी पेड़ की डाली पर लगा हुआ महकता रहे, खुद प्रसन्न रहे और खुशी लुटाता रहे, यह खिला रहे व सबको खिलाता रहे, चहुंओर सुगन्ध लुटाता रहे। डाली पर हंसते मुस्कुराते हुए एवं लोगों को सुख पहुंचाते हुए ये झड़ जाए, प्रभु ! इस पर आपकी ऐसी कृपा हो जाए। आपसे हमारी विनती है कि यह जीवन-पुष्प सड़े नहीं, गले नहीं, बिखरे नहीं। हंसते-मुस्कुराते हुए सभी को अपनी खुशबू लुटाते हुए इसकी पत्तियां झड़ भी जाएं, जीवन की सांस रुक भी जाय, यह सांसें बिखर भी जाएं, तो भी कोई चिन्ता की बात नहीं। बस ! इतना कर देना कि अन्त तक मेरे जीवन-पुष्प की खुशबू हवा में फैलती रहे, मेरे चिन्तन, आचरण, व्यवहार और कर्मों की सुवास का लाभ मेरी अन्तिम सांस तक सर्वसाधारण को मिलता रहे। बन्धुओं, सदैव कामना करना कि परमात्मा आपको इस लायक बनाए रखे कि आपके द्वारा लोगों की सेवा होती रहे। यहां एक बात आपसे अवश्य कहूंगा कि कृत-सेवा से कभी किसी फल की कामना और आशा मत करना। हमेशा यह कामना करना कि मैं दूसरों को तो दूं, पर लेने के लिए कभी किसी के सामने हाथ आगे न फैलाऊं। आप कहना, हे भगवान ! इस दुनिया में मैं दाता बनकर जीवित रहूं, याचक बनकर, भिखारी बनकर कभी न जिऊं। प्रभु से प्रार्थना करना कि मेरे परमात्मा, ये मेरी आंखें जब तक इस संसार में रहें, तेरी लीला देख देखकर प्रसन्नता का अनुभव करती रहें। किसी के ऐब देखने में, किसी का ऐश्वर्य देखकर जलने में मेरी आंखें कभी भी व्यवहार में न आएं। मेरे कान सदैव तेरी महिमा सुनने के लिए उत्सुक हों। दूसरों की निन्दा में मेरी रुचि कभी भी न हो। ईश्वर से विनती करना कि यह वाणी तेरी महिमा के गीत गाएं, तेरी महिमा में लगे हुए बन्दों की प्रशंसा करें, लेकिन कभी किसी की निन्दा न करें तथा किसी के बढ़ते हुए कदमों को रोकने की कोशिश न करें। इस हृदय में अगर धड़कन रहे, तो तेरे प्यार की हिलोरें उठें। मेरा हृदय कत्तई संकुचित न हो, संकीर्णता मुझे छू भी न पाए, इतनी विशालता मेरे हृदय में भर देना।

संपादकीय

क्वाड का छठा शिखर सम्मेलन

भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के संगठन क्वाड का यह छठवां शिखर सम्मेलन था, जिसमें चारों देशों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। अभी चार वर्ष हुए हैं इस संगठन को बने हुए। इस बीच दो आभासी माध्यम से बैठकें भी हो चुकी हैं। इस सम्मेलन में क्वाड देशों के बीच हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी ऐतिहासिक फैसले हुए हैं। इसमें ''कैंसर मूनशाट इनिशिएटिव'' के जरिए हिंद प्रशांत क्षेत्र में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से जीवन बचाने के लिए साझेदारी और समुद्री सुरक्षा को आगे बढ़ाने के लिए 2025 में 'क्वाड ऐट सी शिप आब्जर्वर मिशन' शुरू करना शामिल है। इसके जरिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे के समावेशी विकास को आगे बढ़ाया जाएगा। संभावित बीमारियों और महामारियों से पार पाने के लिए पहले से रणनीति बनाने पर भी जोर दिया गया है । निस्संदेह ये महत्त्वपूर्ण समझौते हैं। गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से पार पाना इस समय की बड़ी चुनौती है। क्वाड समझौते से निश्चय ही इस पर काबू पाने में काफी मदद मिल सकेगी। इसके अलावा, इस सम्मेलन में क्वाड देशों के बीच सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को मजूबत बनाने के लिए किया गया समझौता बेहद अहम है। हिंद प्रशांत क्षेत्र विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला और आर्थिक रूप से सक्रिय क्षेत्र है, जिसमें चार महाद्वीप शामिल हैं- एशिया, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया और अमेरिका। इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते दखल से सारे देश सतर्क हैं। दरअसल, चीन से मिलने वाली चुनौतियों से पार पाने के मकसद से ही क्वाड का गठन किया गया था ।इस क्षेत्र में भारत की भूमिका अहम है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान चीन का मुकाबला करने के लिए दक्षिण चीन सागर तथा पूर्वी चीन सागर में भारत की उपस्थिति चाहते हैं । भारत भी अपनी सीमाओं और पड़ोसी देशों में चीन की पैठ से परेशान है। अमेरिका से उसकी तनातनी पुरानी है । ऐसे में, इन देशों के एक मंच पर उपस्थित होने से चीन को चुनौती देने में आसानी होगी । समुद्री सीमा के विस्तार और उसमें इन देशों के साझा सैन्य अभ्यास से चीन को रोकना आसान होगा। इस अर्थ में क्वाड का ताजा शिखर सम्मेलन कई अर्थों में ऐतिहासिक कहा जा सकता है। फिलहाल देशों की ताकत उनकी तकनीकी संपन्नता से आंकी जाने लगी है। इस मामले में चीन अनेक मामलों में अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया से बहुत आगे है। खासकर सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में फिलहाल पूरी दुनिया में उसका दबदबा है। अमेरिका ने पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में काफी तरक्की की है, पर अब भी वह चीन से काफी पीछे है। भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण की दिशा में बहुत तेजी से कदम आगे बढ़ाया है, मगर उसके सामने कई अड़चनें बनी हुई हैं। दो कंपनियों ने इसमें निवेश का उत्साह दिखाया था, मगर उन्होंने अपने कदम वापस खींच लिए। तीसरी कंपनी को विदेशी विशेषज्ञों की जरूरत है, जो फिलहाल उपलब्ध नहीं हो पा रहे।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

वामपंथी नेता की आंधी

करीब दो वर्ष पहले श्रीलंका में उपजे आर्थिक संकट के बीच जो हालात पैदा हुए थे, उसके मद्देनजर यह आशंका स्वाभाविक थी कि इस स्थिति से निकलने में देश को शायद काफी वक्त लग जाए। मगर चुनावों के बाद अब वहां एक तरह से नई सत्ता की स्पष्ट तस्वीर उभर कर सामने आई है। श्रीलंका में हुए चुनाव के बाद आखिरकार वामपंथी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके को 42.31 फीसद मत मिले और उनके प्रतिद्वंद्वी रहे सजीथ प्रेमदासा को 32.76 फीसद वोट मिले। मगर दूसरे दौर की गिनती के बाद दिसानायके को वहां के नौवें राष्ट्रपति के रूप में चुन लिया गया। दिलचस्प यह है कि सन 2019 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में दिसानायके को सिर्फ तीन फीसद वोट मिले थे। यानी कहा जा सकता है कि इस बीच श्रीलंका में आर्थिक संकट और बिगड़ती स्थिति के बीच मुख्यधारा के बाकी राजनीतिक पक्षों में से किसी की भी आम लोगों की अपेक्षाओं या उम्मीदों के बीच जगह नहीं बची थी। इस बीच देश से भ्रष्टाचार खत्म करने, मजदूरों की आवाज उठाने और अच्छा प्रशासन देने के दिसानायके के वादे ने एक तरह से अंधेरे में घिरी आम जनता को उम्मीद की रोशनी दी। निश्चित रूप से श्रीलंका के लिए यह एक नई बयार है और उम्मीद की जानी चाहिए कि वह कुछ वर्ष पहले भिन्न धार्मिक पहचान पर आधारित हिंसा से लेकर व्यापक आर्थिक संकट की वजह से पैदा हुए व्यापक अराजक विद्रोह के हालात से आगे की राह पर कदम बढ़ाएगा। दिसानायके की जीत को श्रीलंका में नस्लीय या धार्मिक कट्टरता के खिलाफ जनादेश भी कहा जा सकता है। मगर भारत और उसके पड़ोसी देशों की इस बात पर नजर रहेगी कि नई भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच अंतरराष्ट्रीय संबंधों के समीकरण में श्रीलंका क्या रुख अख्तियार करेगा। पहले ही इस बात की आशंका जताई जाती रही है कि चीन के कर्ज के जाल में उलझने का असर श्रीलंका के अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों और नीतियों पर पड़ता रहा है। अब वहां वामपंथी विचारधारा के एक नेता के राष्ट्रपति बनने के बाद यह देखने की बात होगी कि श्रीलंका चीन के प्रभाव से किस हद तक मुक्त रह पाता है।

॥ देवाधिदेव श्री 1008 आदिनाथाय नमः॥

अर्हं योग प्रणेता

मुनिश्री 108

प्रणम्य सागर जी महाराज ससंघ

के पावन सान्निध्य में जयपुर शहर में पहली बार

श्री दिगम्बर जैन नसियाँ भट्टारक जी नसियाँ प्रांगण में

दोनो दिन प्रात: 6.15 बजे से 9.45 बजे तक

दिनांक 3 अक्टूबर, 2024

भगवान मुनिसुव्रतनाथ विधान

दिनांक 4 अक्टूबर, 2024

वर्धमान स्त्रोत विधान

प्रतिदिन - प्रात: 8.15 बजे से गुरुदेव का मंगल प्रवचन

विशेष... विधान में बैठने वाले महानुभावों शुद्ध भोजन की व्यवस्था रहेगी।

विधान में बैठने वाले महानुभावों की संख्या सीमित है।
अपना रजिस्ट्रेशन आज ही - अभी ही करवायें

संयोजक : रमेश बोहरा 98280 26629 • मनोज झांझरी 98290 63426
पदम बिलाला 93140-24888 • मनीष बैद 94140-16808

श्री मुनिसंघ सेवा समिति जयपुर

(बापू नगर जैन समाज द्वारा संचालित)

सुधान्शु कासलीवाल
परम संरक्षक

उमरावमल संधी
परम संरक्षक

ईजी.प्रदीप कुमार जैन
मुख्य समन्वयक

अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
• राजीव जैन गाजियाबाद	• सुरेन्द्र कुमार मोदी	• नवीन संघी	• संजय पाटनी
94140-54571	86969 79825	93149-66771	93527 22022

एवं समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री मुनिसंघ सेवा समिति, जयपुर

: मुख्य संयोजक :
अतुल सौगानी 98292 89000
आलोक जैन 94140 70741
बापू नगर

अर्हं चातुर्मास समिति, जयपुर-2024
प्रबन्धकारिणी समिति
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
सुशील पहाड़िया (अध्यक्ष) 99285-57000
राजेन्द्र सेठी (मंत्री) 93149-16778
समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यगण
एवं
आदिनाथ महिला मण्डल, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर शांतिपुरा अजमेर में वार्षिक कलशाभिषेक समारोह का आयोजन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर शांतिपुरा अजमेर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आज भव्य वार्षिक कलशाभिषेक समारोह का आयोजन सम्पन्न हुआ । प्रवक्ता कमल गंगवाल व ट्रस्टी नरेश गंगवाल ने बताया कि आज शांतिपुरा जैन मन्दिरजी में वार्षिक कलशाभिषेक समारोह में श्री दिगम्बर जैन संगीत मंडल के प्रो.सुशील पाटनी के संयोजन में मंडली के सहयोगी राजेन्द्र गंगवाल,नरेश गंगवाल, वीरेन्द्र जैन,सुशील दोसी,धनकुमार लुहाडिया आदि ने एक से एक बढकर भजनों की सुन्दर प्रस्तुती दी गई सर्वप्रथम पाण्डुकशिला पर श्रीजी भगवान को विराजमान कर पूजन पाठ आदि किया गया तत्पष्चात संगीतमय भक्ति भाव से जय जयकारों के बीच - बाजे छः बधाई, राज के दरबार जी, एवं जय पारस जय पारस देवा, सारी नगरी में मच रहयो हल्ला आदि के बीच श्रीजी भगवान के वार्षिक कलशाभिषेक व वृहद शान्तिधारा सम्पन्न हुयी अभिषेक करने वालो में अनिल गंगवाल, दिनेष जैन, सुनील जैन,पीयूष गंगवाल, सोनू जैन आदि थे ।संगीतमय भजनो से माहौल धर्ममय हो गया जिस पर उपस्थित भक्तजनो ने भक्ति नृत्य किया और पूरा माहौल जय जय जयकार के बीच गूंजायमन हो गया। गंगवाल ने बताया कि कलशाभिषेक के पष्चात उपस्थित साधर्मी बन्धुओं ने मन्दिर के ट्रस्टी निर्मल जैन पटवारी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की और सभी ने एक

दूसरे को हाथ जोडकर क्षमा याचना की । इससे पूर्व रात्रि में सुन्दरमय भजन संध्या का आयोजन प्रो. सुषील पाटनी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ जिसमें महिलाओं ने सुन्दर भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया । आज के समारोह में सुबोध पाटनी, सुनील गंगवाल, प्रमोद सोगानी, मनोज ठोल्या, मनीष सेठी, आर के बोहरा, विनोद गंगवाल, राजेशपाटनी, मनीष अजमेरा, दीपक जैन पटवा, संजय कुमार जैन, राजेष ठोल्या, कैलाशचंद लुहाडिया, अनिल गदिया, पंकज गंगवाल, पदमचंद सेठी, आषीष बोहरा, देवर्ष जैन, अमित गदिया, शैलेन्द्र जैन, प्रमोद लुहाडिया, विपिन चांदीवाल भविक जैन आदि ।

मोराझडी में शोभायात्रा एवं कलशाभिषेक 29 को

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। निकटवर्ती ग्राम मोराझडी स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र में आगामी 29 सितंबर को भव्य जिनेंद्र शोभायात्रा व कलशाभिषेक का आयोजन होगा। कार्यक्रम के तहत प्रातः 7 बजे शांति विधान मंडल, दोपहर 2 बजे शोभायात्रा व सायं 4 बजे कलशाभिषेक का कार्यक्रम होगा। यह जानकारी संजय कुमार जैन ने दी।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की मासिक मीटिंग संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की मासिक मीटिंग ओपी जागरूकता ओपी जाएगी से संबंधित जानकारी के साथ साथ 2अक्टूबर से प्रारंभ होने वाले सेवा सप्ताह के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उक्त मीटिंग में जोन चेयरपर्सन ला. महादेवी आर्य, सेवा सप्ताह कॉन्विनीयर ला. विजिया कोठारी सहित क्लब अध्यक्ष सुमित्रा गोलियां, सचिव राधा रानी मित्तल व कोषाध्यक्ष नीता गोयल सहित क्लब की लगभग सभी सदस्याएं उपस्थित रही। साथ ही अध्यक्ष द्वारा सभी सदस्याओं द्वारा सेवा सप्ताह में डिस्ट्रिक्ट द्वारा दिये गए निर्देशों की अनुपालना के साथ साथ जरूरत मंदो की तन मन व धन से सेवा करने का आव्हान किया गया। अंत मे सभी ने स्वादिष्ट भोजन के साथ सभा का समापन किया।

स्विट्जरलैंड के जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र संघ का वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर के पदाधिकारियों ने अवलोकन किया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। संयुक्त राष्ट्र संघ के स्विट्जरलैंड के जिनेवा स्थित मुख्यालय के अवलोकन करने का दुर्लभ सुअवसर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर के पदाधिकारियों एवम सदस्यों के प्रतिनिधि मण्डल को प्राप्त हुआ। विश्व की सबसे बड़ी पंचायत के द्वार पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर के उपाध्यक्ष प्रकाश चंद गदिया,मंत्री डा नरेन्द्र पारख ,सहमंत्री सुनील कुमार ओस्तवाल,कोषाध्यक्ष रमेश चंद्र मेडतवाल, प्रचार मंत्री दीप चंद कोठारी प्रबंधकारिणी सदस्य देवराजलोढ़ा,महेंद्र कुमार सांखला, अरविन्द कुमार मुथा,चंदूलाल कोठारी, प्रवीण खेतपालिया ने अपने यूरोप प्रवास के दौरान यू एन हेड क्वार्टर के बाहर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत को स्थाई सदस्यता प्रदान करने हेतु मांग की, सदस्यों ने उल्लासपूर्वक जय हिंद का जय घोष भी किया।

कलयुग में सतयुग की मां का...

इंजिनियर अरुण कुमार जैन

त्याग, तपस्या, सेवा, करुणा, की सतत प्रवाही गंगा,
अमृतपुरी से सकल विश्व को, तृप्ति दिलाती अम्मा.
माँ, देवी, जगदम्बा, ईश्वर, कितने नाम तुम्हारे,
ममता, नेह,दुलार के निर्झर,
बहते तेरे द्वारे.
केरल की पावन धरती से, उदगम इसकी धारा,
सकल विश्व ने मन्दाकिनी से,
तृप्ति सुधा रस पाया.
पीर मिटायी तन व मन की, आगे हमें बढ़ाया,
भौतिक संतुष्टि के संग,
आध्यात्म अमृत पिलवाया.
सकल धरा पर, कोटि -कोटि जन,
अम्मा वंदन करते,
कलयुग में सतयुग की माँ का,
ये अभिनन्दन करते.
देह व मन की पीर मिटाकर, शिक्षा ज्ञान दिया है,
आवास, वस्त्र, भोजन के संग,
अम्मा सम्मान दिया है.
कौशल ज्ञान दे वंचित जन को,
मन विश्वास दिया है,
लाखों स्वाभिमान से जीते,
माँ ने मान दिया है.
तकनिकी, मेडिकल, विधि, विज्ञान की शिक्षा देतीं,
ज्ञान दीप से कोटि हृदय को,
आलोकायान करतीं.
दत्तन, लक्ष्मी, बेटे, बेटी, लाखों इस वसुधा पर,
कोटि दीप जले आशा के,
सबके अंतस्थल पर.
रंक, अकिंचन से नरेश तक,
पद वंदन को आते,
मन वांछित पाकर वे अम्मा,
तृप्ति सुधा रस पाते.
इकहत्तर वें अमृत वर्षम पर,
रोम -रोम पुलकित है,
कोटि जनों का ये अंतर्मन, हर्षित व प्रमुदित है.
करते वंदन व अभिनन्दन, अपना शीश झुकाके,
हों शतायु अम्मा हम सबकी,
नयन रहें मुस्काते.
संरक्षण, पथ दर्शन अम्मा, आलम्बन नित देना,
मुक्ति महल तक प्यारी अम्मा, सम्बल प्रति पल देना.

अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद, हरियाणा.
मो 79994691750

भगवान महावीर के जयकारों से गूंजा क्षेत्र

शोभायात्रा के साथ दस लक्षण पर्व का समापन, महिलाओं की रही मौजूदगी

छत्रपति संभाजीनगर. शाबाश इंडिया

दस दिवसीय दसलक्षण महापर्व महामहोत्सव का समापन शहर के राजाबाजार स्थित श्री खंडेलवाल दिगंबर जैन पंचायत पार्श्वनाथ मंदिर से बैंड पथक के सुमधुर संगीत की गूंज में निकाली गई। शोभायात्रा का आचार्य विरागसागर महाराज के संघ की विकुंदनश्री माता के आशीर्वाद से हुआ। पुरुष सफेद वस्त्र व महिलाएं केसरी साड़ियां परिधान की थीं। शोभायात्रा में भगवंत की पालकी के आगे सिर पर कुंभकलश ले चलने का सौभाग्य नयनादेवी पाटनी परिवार, भगवंत के इंद्र इंद्राणी का रीना ठोले परिवार, भगवंत को पालकी में विराजमान मयूर ठोले को मिला। शोभायात्रा में सामूहिक भगवान महावीर की मूर्ति पालकी पर जगह-जगह फूल बरसाकर भक्तों ने दर्शन किए। भगवान महावीर के जयकारों से क्षेत्र गूंज उठा। शाम में सैकड़ों भक्तों की मौजूदगी में भगवान शांतिनाथ का पंचामृत अभिषेक किया गया। महोत्सव सफल बनाने खंडेलवाल दिगंबर जैन पंचायत विश्वस्त मंडल व दस लक्षण पर्व समिति व समाज ने परिश्रम किया। समापन भगवंत की महाआरती से हुआ।

युवाओं को अच्छी धर्म प्रभावना और साधु का आदर सत्कार करना चाहिए

गुरु के वचन आत्मा को परमात्मा के पास पहुंचाने के साधन है: आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। नांदणी में चातुर्मासिक धर्मसभा में श्रमण संस्कृती के महनीय संतो में अग्रणी संत,देश के सर्वश्रेष्ठ आगम अनुकूल चर्या शिरोमणी आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज जी ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि - सागर की गहराई और पर्वत की ऊंचाई जगत प्रसिद्ध है पर इन से भी गहरा और ऊंचा कोई है तो वह गुरु का धर्म उपदेश होता है। गुरु के वचन आत्मा को परमात्मा के पास पहुंचाने के साधन है। भगवान महावीर की मुद्रा ही नग्न मुनियों की मुद्रा है। गुरु भक्ति की महिमा अपरंपार है। जैन समाज के लोगों ने जैन धर्म को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा धर्म का अनुसरण किया है। श्रुत अभ्यास और आगम का ज्ञान जरूरी है। चर्या शिरोमणी आचार्य विशुद्ध सागर महाराज जी ने कहा की सभी युवाओं को अच्छी धर्म प्रभावना और साधु का आदर सत्कार करना चाहिए। जो दूसरों से छल करते हैं, जो दूसरों को धोखा देते हैं, जो दूसरों को गिराने के लिए गड्ढा खोदते हैं, वे एक दिन स्वयं ही उस गड्ढे में गिर जाते हैं। यदि तुम शांति चाहते हो, तो दूसरों को भी शांति से जीने दो। आप दूसरों से सम्मान चाहते हो, तो सभी का सम्मान करो। सज्जन मानव ही सज्जनता से जीता है, दुर्जन उपदेश सुनकर भी सरलता पूर्वक जीवन नहीं जीता है। धर्म का उपदेश, हितकारी गुरुओं की वाणी वही श्रद्धापूर्वक सुन सकता है, जिसकी भवावलियाँ अल्प हैं। सोते हुए को पानी के छींटे मारकर जगाया जा सकता है, परन्तु सोने का नाटक करने वाले मानव को नहीं जगाया जा सकता है। शत्रुता से समता श्रेष्ठ है। वाचालता से मौन श्रेष्ठ है। ढोंग से ढंग का जीवन श्रेष्ठ है। संग्राम से समझौता श्रेष्ठ है। दान से दया श्रेष्ठ है। कलह से करुणा उत्तम है। दूसरों को झुकाना चाहते हो, तो तुम स्वयं झुकना सीखो। कुछ पाना है, तो देना सीखो। जो झुक जाता है, वह उठ जाता है। गगन-सी ऊँचाईयाँ चाहिए, तो नम्रता सीखो। मधुर भाषण, विनयशीलता, उच्च- कुलीन मानवों की कुल-विद्या है। पाप मत करो, क्योंकि तुम पाप भूल सकते हो, परन्तु पाप का फल तुम्हे नहीं छोड़ेगें। जैसे भाव करोगे, वैसा फल प्राप्त होगा। जैसे परिणाम करोगे, वैसी भविष्य की पर्याय प्राप्त होगी। पापों से बचो, पुण्य- कार्य करो। शांति से जियों दुनिया को शांति से जीने दो । कर्तापन छोड़ो, समता पूर्वक जिंदगी जियो।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया

हमने मटके से पूछा - तुम बारह महिने इतने ठण्डे क्यों रहते हो? मटके ने मुस्कुराकर जवाब दिया - जिसका भूत, भविष्य और वर्तमान सब मिटटी से बना हो और मिट्टी में मिलना हो, उसे घमण्ड और गर्मी किस बात की? बात समर्पण की है। आप यदि कमर दर्द से बचना चाहते हो, तो अपने घर में रोज दो बार झाड़ू लगाना शुरू कर दो। झाड़ू लगाने से दो फायदे हैं। एक - इससे अहंकार टूटता है,, और दूसरा - कोई भी कार्य छोटा नहीं है। इस सिद्धांत को बल मिलता है। घर, आँगन में झाड़ू लगाना भी पुण्य हो सकता है। बशर्ते है कि आप झाड़ू लगाते समय विवेक पूर्वक, जीवों को बचाकर झाड़ू लगाते हैं। झाड़ू भी पुण्य बन्ध में कारण बन सकती है। पीपी पांडे आप धनपति सेठ, साहूकार क्यो ना हो, मगर अपने हाथों से घर, आँगन में झाड़ू लगाते रहिये जिससे अहंकार आपके पास ना आ पाये और कमर दर्द आपको प्रभावित कर पाये। इसलिए अन्दाज से ना नापिये, किसी इंसान की हस्ती को.. ठहरे हुये दरिया अक्सर, गहरे हुआ करते हैं...।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

मोक्ष मार्ग में बढ़ने के लिए पुरुषार्थ करना आवश्यक है: मुनिश्री 108 पावनसागर जी महा मुनिराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन करते हुए बताया कि मोक्ष मार्ग में बढ़ने के लिए पुरुषार्थ करना आवश्यक है। धर्म, अर्थ और काम पुरुषार्थ की साधना करने पर ही मोक्ष की प्राप्ति होगी। पुरुषार्थ पर दृष्टांत देते हुए मुनिश्री ने बताया कि एक व्यापारी ने सोचा कोई व्यवसाय करें जिसमें अधिक लाभ मिले ऐसे देश में व्यापार करें जहां वह चीज नहीं मिलती हो और मेरा ही वहां व्यापार चलें ऐसी भावना के साथ में गाय भैंस का दूध का व्यापार करने के लिए चला गया। उस देश के राजा को, प्रजा को दूध के स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर बेचने का काम किया। राजा को बताया कि हमारे पास ऐसा पेड़ है जो इतना स्वादिष्ट व्यंजन देता है राजा खुश हुआ जब उसे व्यापार से अच्छा पैसा प्राप्त हो गया तो वह वापस अपने देश आने लगा। राजा ने कहा कि ऐसा पेड़ हमारे को भी देकर जाए, जिसमें ऐसे अच्छे-अच्छे फल लगते हैं उसे व्यापारी ने दो-तीन गाय वहां छोड़ दी, वहां के लोगों को उससे दूध प्राप्त करने का तरीका मालुम नहीं थो राजा के कर्मचारी गाय की लघु शंका या दीर्घ शंका को लेकर राजा को परोसने लगे राजा नाराज हो गया। उस व्यापारी को वापस पकड़ कर लाओ तो राजा के सैनिक व्यापारी को पकड़ कर लाए, उसने उसे दूध प्राप्त करने के लिए पुरुषार्थ करना बताया कि पहले बछड़े को दूध पिलाओ फिर उसके बाद आप दूध प्राप्त करो। दूध से व्यंजन पुरुषार्थ करने पर ही मिलेंगे ।धर्म के साथ अर्थ का उपार्जन करना चाहिए तभी मोक्ष मार्ग की ओर बढ़ेंगे। काम पुरुषार्थ वंश परंपरा बढ़ाने के लिए आवश्यक है ।धर्म के बिना मनुष्य जीवन तिर्यंच के समान है ।ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ ने बताया कि प्रवचन के शुभारंभ में दीप प्रज्वलन, सी.एस. पाटनी ने सहयोगियों के साथ, मंगलाचरण एवं जिनवाणी भेंट कुचामनसिटी महिला मण्डल ने किया। पंडित अजित जैन ने जिनवाणी स्तुति की। सभी ने आचार्य श्री व मुनि श्री को अर्घ्य समर्पित किया। ट्रस्ट के मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि मुनिश्री के प्रवचन प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे हो रहे हैं। अन्त में सभी का आभार व्यक्त किया।

आचार्य विमलसागर महाराज मे पाषाण को मूर्ति बनाने की कला थी: विमलप्रभा माताजी

रामगंजमंडी। नगर मे पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विमलप्रभा माताजी एवम संघस्थ आर्यिका 105 विजयप्रभा माताजी क्षुल्लिका 105 विनीतप्रभा माताजी क्षुल्लिका 105 सुमैत्री श्री माताजी सानिध्य मे आचार्य श्री 108 विमलसागर महाराज का जन्म जयंती महोत्सव एवम पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विमलप्रभा माताजी का गणिनी पदारोहण दिवस भव्यता के साथ मनाया गया । आयोजन के क्रम मे सर्वप्रथम आयोजन की शुरूआत मंगलाचरण से हुयी जो श्रीमती साधना पहाड़िया किरण सिंघल पूजा सिंघल द्वारा किया गया। इसी क्रम मे श्रीमति अंजलि जैन द्वारा आचार्य श्री विमलसागर महाराज के प्रति भाव भीनी विनयांजलि प्रस्तुत की ।आयोजन के क्रम मे आचार्य श्रीविमल सागर महाराज के चित्र का अनावरण एवम दीप प्रज्वलन समाज दिलीप विनायका उपाध्यक्ष चेतन बागडिया नरेश चांदवाड भूपेंद्र सावला रमेश विनायका पदम लुहाडिया आदि ने किया। आचार्य गुरुवर विमल सागर महाराज एवम पट्ट गणिनी आर्यिका विमलप्रभा माताजी के प्रति अपने भाव प्रकट करते हुए क्षुल्लिका 105 सुमैत्री श्री माताजी ने कहा की आचार्य श्री विमलसागर महाराज की कृपा साक्षात मेरे साथ है उनकी महिमा छोटी मोटी नहीं थी उनके आशीष से मिटटी भी सोना हो जाती थी उन्होने गुरु माँ के प्रति भी भाव प्रकट किए। इस अवसर पर क्षुल्लिका 105 विनीतप्रभा माताजी ने भी अपने भाव प्रकट किए और कहा की आचार्य श्री विमल सागर महाराज मे अलोकिक ऊर्जा थी। विमलप्रभा माताजी अलोकिक है वे अनुशासन प्रिय है विजयप्रभा माताजी ने आचार्य श्री विमलसागर महाराज के प्रति कहा की अमूल्य रत्न थे माता कटोरी और पिता बिहारीलाल नहीं होते तो जगत को यह रत्न नहीं मिलता ये गुरु चरण जहा धरे जग मे तीरथ होय आज के पावन दिन ही गुरु माँ का गणिनी पद का संस्कार हुआ इन मांगलिक पलो मे आचार्य श्री विमल सागर महाराज एवम माताजी की विशेष अष्ट द्रव्यों का थाल सजाकर पूजन भक्ति भाव विभोर होकर की गई एवम गुरु माँ के चरणों का पाद प्रक्षालन कर उन्हे शास्त्र भेट किया गया।

-अभिषेक जैन लुहाडिया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

नशा मुक्त हो देश हमारा

रघुवीर सिंह खोड पांच अक्टूबर से कश्मीर से कन्याकुमारी तक करेंगे यात्रा

रावतसर. शाबाश इंडिया। नरेश सिगची कहते हैं कि किसी काम को करने का यदि आप पर जुनून सवार है तो फिर उम्र भी आड़े नहीं आती ।कुछ ऐसा ही किया है रावतसर तहसील के खोडा गांव में रहने वाले 70 वर्षीय रघुवीर सिंह खोड ने ।जी हां पर्यावरण संरक्षण और नशे के खिलाफ देश भर में जागरूकता फैलाने के मिशन को रघुवीर सिंह खोड ने अपने जीवन का आधार बना लिया और उसी के अनुरूप चलते हुए इस उम्र में भी उन्होंने देश के किसी भी कोने में होने वाली मैराथन दौड़ में भाग लिया और अब तक 42 से भी ऊपर मेडल हासिल कर लिए, इतना ही नहीं इसके बाद इन्होंने साइकिल पर देश की राजधानी दिल्ली, प्रदेश की राजधानी जयपुर और रावतसर से हर स्वतंत्रता दिवस/गणतंत्र दिवस पर जिला हनुमानगढ़ मुख्यालय तक भी साईकिल पर यात्रा जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भी भाग लिया है। राजस्थान के विभिन्न शहरों की साइकिल यात्रा भी की । अपने पावन उद्देश्य नशा मुक्त हो सारा देश व राजस्थान को लेकर देश के कोने कोने में इसका प्रचार और प्रसार करने के लिए रघुवीर सिंह खोड अब पांच अक्टूबर से कश्मीर से कन्याकुमारी तक साइकिल यात्रा करने जा रहे हैं ।

भगवान के नाम पर रखें बच्चों के नाम

अंतिम समय में नाम पुकारा तो भी हो जाएगा उद्धार : राजन महाराज

चित्रकूटधाम में श्रीराम कथा महोत्सव के चौथे दिन भी छाया भक्ति का उल्लास

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। आजकल के नाम सुनकर मन में दया के भाव आते है। जिनके कोई अर्थ नहीं वह नाम बच्चों के रख देते है। बच्चों के नाम भगवान के नाम पर रखिए। जीवन के अंतिम समय में बच्चे को नाम से पुकारा तो भी जुबान पर भगवान का नाम आएगा ओर जीवन का उद्धार हो जाएगा व भगवत की प्राप्ति हो जाएगी। रामकथा ही देख ले राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुधन चारों भाईयों में से हर एक का नाम गहरा अर्थ रखता है। ये विचार ख्यातनाम कथावाचक पूज्य राजन महाराज ने श्रीसंकट मोचन हनुमान मंदिर ट्रस्ट एवं श्री रामकथा सेवा समिति भीलवाड़ा के तत्वावधान में नगर निगम के चित्रकूटधाम में आयोजित नौ दिवसीय श्री रामकथा महोत्सव के चौथे दिन कथावाचन के दौरान व्यक्त किए। संकटमोचन हनुमान मंदिर के महन्त बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में आयोजित कथा में चौथे दिन श्रीराम के प्राकट्य के बाद बाललीला प्रसंगों का वाचन किया गया। धर्मनगरी भीलवाड़ा के भक्तगण उमड़ पड़े एवं जिसे जहां जगह मिली वहीं बैठ भक्तिभाव से कथाश्रवण करता दिखा। व्यास पीठ पर विराजित राजन महाराज ने कहा कि भगवत अनुभूति प्राप्त करने के बाद उसे बयां नहीं कर सकते। भगवान को जानने के बाद जगत में रहने पर भी वह दिखाई नहीं पड़ेगा सब जगह परमात्मा ही नजर आएंगे। जगत की संपति कितनी भी जमा कर ले कोड़ी भी साथ नहीं जाएगी। सत्संग से भगवान का नाम रूपी जो परमधन प्राप्त होगा वहीं हमारे साथ अगले भव में भी जाएगा। जगत के धन के साथ परमधन को भी जमा कीजिए। भगवान अपने दास से बहुत प्रेम करते है जो उनसे कभी कुछ नहीं मांगता। उन्होंने नववर्ष एक जनवरी की बजाय चैत्र प्रतिपदा को मनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि एक जनवरी को कुछ भी नया नहीं होता जबकि सनातन संस्कृति के नववर्ष चैत्र प्रतिप्रदा पर प्रकृति नवरूप में होती है। राजन महाराज ने कहा कि बोलने की बजाय मौन रहना व्यवहार में कठिन होता है। मौन रहने का ढंग आ जाए तो शत्रु अपने आप समाप्त हो जाएंगे। घर-परिवार में शत्रु नहीं बनाने तो मौन रहना सीख जाए। भगवान राम का जीवन ही देख ले उन्होंने कभी किसी की शिकायत नहीं की मौन में चले गए। वर्तमान में मनुष्य अपने दुःख से कम दूसरों के सुख से अधिक दुःखी है। हम खुद को श्रेष्ठ बनाने की बजाय दूसरों के अहित की कामना करते है। कथा के दौरान मंच पर संत रामदास रामायणी, लालदासजी महाराज, महंत मनोहरदास महात्यागी सहित कई पूज्य संत-महात्मा आदि भी विराजित थे। राजन महाराज के व्यास पीठ पर विराजने के बाद आरती करने वालों में मुख्य जजमान श्री गोपाल राठी, बाबाधाम के विनीत अग्रवाल, बद्रीलाल जाट, एडवोकेट हेमेन्द्र शर्मा, विमलादेवी जाट, दर्शिका जाट, रविशंकरजी, सीए जीके लवाणिया, दीप्ति लवाणिया, केएल गिल्होत्रा, माहेश्वरी महिला मण्डल की सीमा कोगटा, प्रीति लोहिया, भारती बाहेती, सुमन सोनी, मोना डाड, रेखा शर्मा, किशन मारू, शैलेन्द्रसिंह, लीला तेली, शांतादेवी टांक आदि शामिल थे। शाम की आरती करने वालों में रमेश खोईवाल, हंसराज मधुबाला यादव, अतुल योगिता सुराणा, रमेश संतोष जागेटिया, ओमप्रकाश मधु काबरा, दिनेश शीला विजयवर्गीय, शांतिलाल पोरवाल, दामोदर अग्रवाल, भैरूलाल काबरा, बनवारीलाल मुरारका, चन्द्रप्रकाश चंदवानी, दिलीप रावानी, हरीश मानवानी, कमलेश खेराजानी, प्रकाश कोरानी, जितेन्द्र मोटवानी, जितेन्द्र रंगलानी, भगवान रामचंदानी, आनंदकृष्ण शास्त्री, सुमन डाड, सुशीला जाजू, राधेश्याम विजयवर्गीय, विश्वनाथ प्रतापसिंह, निशांत जैन, सुधीर राठी आदि भक्तगण शामिल थे।

झोटवाड़ा जैन समाज ने निकाला गया भव्य जुलूस

जयपुर. शाबाश इंडिया। सोलह कारण व्रत (32 उपवास) निर्विघ्न संपन्न होने पर मंदिर प्रबंध समिति के समन्वयक निर्मल पांड्या वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुगन पापड़ीवाल एवं बताया कि मंगलवार दिनांक 24 सितंबर 2024 प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा जैन समाज परिवार की सदस्या श्रीमति रेणु जी पाटनी धर्मपत्नी श्री विमल जी पाटनी की (हिंगोनिया वालो) ने परम पूज्य पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 श्री वर्द्धमान सागर जी गुरुदेव ससंघ के मंगलमय आशीर्वाद से पारसोला,उदयपुर में सोलह कारण व्रत (32 उपवास) निर्विघ्न संपन्न किए। अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी मंत्री दिनेश काला एवं सह मंत्री प्रमोद छाबड़ा मुंडोता वाला, उप कोषाध्यक्ष संजय काला सांस्कृतिक मंत्री वीरेंद्र काला ने सोलह कारण वृत उपवास धारी का तिलक माला दुपट्टा मुकुट लगाकर सम्मान किया एवं शास्त्र और स्मृति चिन्ह भेट किया। आपके तप की अनुमोदना के साथ-साथ प्रभु पार्श्वनाथ भगवान से प्रार्थना करते हैं कि आपके जीवन में यश, वैभव, कीर्ति दिनोंदिन बढ़ती रहे आप इसी तरह शुभ भावना के साथ जिनशासन की प्रभावना करते रहें। मुकेश सेठी कालूराम जैन राजेश सेठी राकेश बड़जात्या, विक्रम गंगवाल,प्रदीप छाबड़ा, तरुण पाटनी, नीलम बड़जात्या,सीमा पाटनी,तारा पांड्या,तारा बज,सुशीला भोच,गुंजन जैन ओम जी अंजना काला के साथ सकल दिगंबर जैन समाज झोटवाड़ा के सदस्यों भव्य जुलूस में पधारकर एवम कार्यक्रम में सम्मिलित होकर के इस पल के साक्षी बने और साथ ही धर्म प्रभावना बढ़ाई।

चौधरी मनीराम झोरड़ राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। चौधरी मनीराम झोरड़ राजकीय महाविद्यालय मीठी सुरेरा में कार्यकारी प्राचार्य डा.अमनप्रीत कौर की अध्यक्षता व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो राजवीर सिंह के संयोजन से आज राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में सामुदायिक सेवा के प्रति जागरूकता पैदा करना और एनएसएस की महत्ता को उजागर करना था। महविद्यालय के कार्यकरी प्राचार्य डॉ अमनप्रीत कौर ने बच्चों को उत्साह बढ़ाने के लिए अपने विचार व्यक्त किए। इसके बाद प्रो राजेश ने स्वयंसेवको संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एनएसएस युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक कल्याण के प्रति जागरूकता और स्वयंसेवा की भावना को विकसित करने में अहम भूमिका निभाता है। एनएसएस के माध्यम से विद्यार्थी समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। यह न केवल सेवा के मूल्य को समझने में मदद करता है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार करता है और इसके बाद प्रो राजेश के द्वारा नशा मुक्ति पर विस्तार व्यखान दिया गया। समारोह के दौरान, विद्यार्थियों में कृमिनाशक गोलियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का समापन स्वच्छता ही सेवाश अभियान के अंतर्गत शपथ ग्रहण के साथ हुआ, जिसमें सभी ने महाविद्यालय और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

महान आत्माएं खोटे कार्य करने वाले को भी गले लगाना चाहती हैं : मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

राष्ट्रीय अधिवेशन में नारी गौरव सम्मान दिया जाएगा: विजय धुर्रा

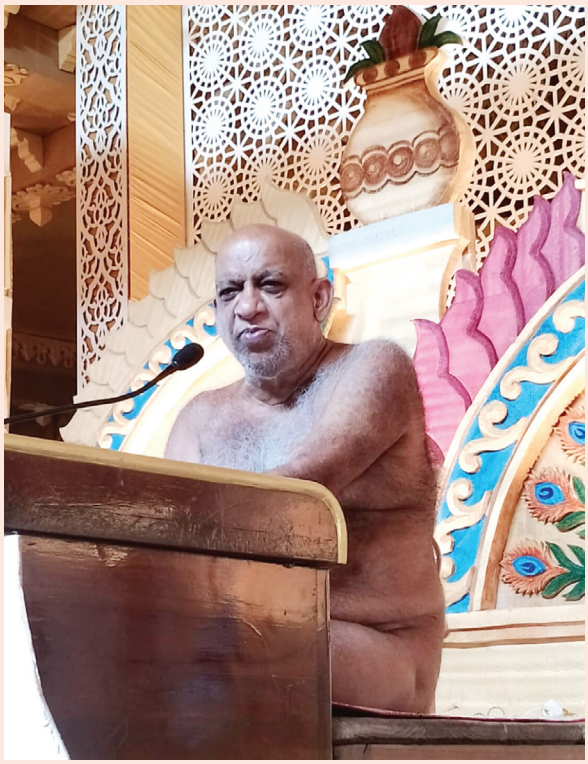

सागर. शाबाश इंडिया। महान आत्माएं खोटे कार्य करने वालों को भी गले लगाना चाहती है खोटे काम करने वालो को भी क्षमा कर देती हैं उन्हें सुधारना चाहते हैं उन्हें सुधरने का मौका देती है खोटे काम करने वाले अपने आप सजा प्राप्त करेंगे खोटे काम करने वाले को भी सज्जन पुरुष बचाने की कोशिश करते हैं उसके आगे झुकने में अपनी तोहिन नहीं मानते उनका उद्देश्य सिर्फ एक होता है मानवता का कल्याण हो नारायण श्री कृष्ण जी दुर्योधन के घर दूत बनकर चले गये क्या उन्हें मालूम नहीं था कि दुर्योधन दुष्ट है दूत वनना अपमान है फिर भी वे नारायण होते हुए शान्ति का प्रस्ताव लेकर दुर्योधन के समाने पहुंच गए बड़े आदमी जितने झुकते हैं उनका मान उतना ही बढ़ता चला जाता है उक्त आश्य केउद्गार भाग्योदय तीर्थ सागर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

महिला मंडलों दारा दी जाएगी भव्य प्रस्तुतियां : विजय धुर्रा

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागरजी महाराज के सान्निध्य में होने वाले 29वे राष्ट्रीय महिला अधिवेशन में देश की नामचीन हस्तियों को महिला गौरव सम्मान दिया जाएगा जिनमें श्रीमति आशा रानी पांड्या यूं एस ए सहित अन्य प्रमुख हस्तीया होगी। श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती शीला डोडिया राष्ट्रीय महासचिव इन्दू गांधी राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ वंदना जैन जयपुर सहित सभी प्रमुख पदाधिकारी सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं ।इस वर्ष पांच सत्रो में से तीन सत्रो में देश की संस्कृति सभ्यता को उन्नत बनाने में योगदान सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयो पर विद्वान वक्ताओं द्वारा विशेष लेख प्रस्तुत किए जायेंगे। साथ ही परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के विशेष प्रवचन का लाभ भी सभी को मिलेगा इस दौरान ध्वज प्रस्तुतियां के साथ अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां विभिन्न साखाओ दारा की जायेगी। चातुर्मास कमेटी गौरव अध्यक्ष राजेंद्र जैन सुरेन्द्र कुमार बद्दू कार्याध्यक्ष राजेश एडवीना सर्वाध्यक्ष आशीष पटना महामंत्री राजकुमार मिनी मुख्य संयोजक ऋषभ बांदरी कोषाध्यक्षध सुरेन्द्र डवडेरा शिविर संयोजक साहिल डवडेरा प्रशांत जैन सानोधा अंकीत जैन ने अधिवेशन को सफल बनाने का निवेदन किया है।

भारतीय जैन युवा परिषद पदमपुरा की पदयात्रा संपन्न

दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर सांगानेर से रहा समाज श्रेष्ठि विनय स्नेहलता सोगानी, राजीव सीमा जैन गाजियाबाद एवं अरुण जैन विवेक विहार ने जैन ध्वज लहराकर पदयात्रा को रवाना किया।

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन युवा परिषद एवं सकल दिगंबर जैन समाज जयपुर के तत्वावधान में पदमपुरा पदयात्रा का आयोजन किया गया ।प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र बोहरा ने बताया की यात्रा जयपुर शहर के समस्त मंदिरों को जोड़ते हुए शुरू की गई यात्रा मे करीब 500 लोग शामिल हुए। यात्रा का मुख्य रवानगी स्थल श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर सांगानेर से रहा समाज श्रेष्ठि विनय स्नेहलता सोगानी, राजीव सीमा जैन गाजियाबाद एवं अरुण जैन विवेक विहार ने जैन ध्वज लहराकर इस पदयात्रा को रवाना किया। प्रदेश महामंत्री रवि रावंका ने अवगत कराया की यात्रा रात्रि को ही पदमपुरा पहुंची। प्रातः पदमप्रभु विधान का आयोजन किया गया। सभी पदयात्रियों ने पदम प्रभु विधान का लाभ लिया विधान में वॉइस ऑफ पिंक सिटी नरेंद्र जैन ने अपनी भजनों के माध्यम से पूजन में चार चांद लगाए। मुख्य संयोजक योगेश बड़जात्या ने बताया की यात्रा में सभी जैन बंधुओं का पूर्ण सहयोग मिला। पवन

जैन ने अवगत कराया कि प्रत्येक पदयात्री को आकर्षक उपहार दिया गया। अनिल पाटनी ने बताया कि सभी उपस्थित पदयात्रियों में 21 बंपर पुरस्कार भी रखे गए और साथ ही कोषाध्यक्ष राकेश काला ने बताया कि पांच पुरस्कार विधान में बैठने वालों के लिए भी रखे गए। इस अवसर पर डॉ राजीव जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष नेमीचंद छाबड़ा, विजय जैन खटवाडा, शेखर सोगानी,शैलेन्द्र छाबड़ा, संजय जैन सांगानेर आदि सदस्य उपस्थित रहे।

लॉयन्स क्लब जयपुर मेट्रो की डायरेक्टरी का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। लॉयन्स क्लब जयपुर मेट्रो की डायरेक्टरी का विमोचन होटल ट्यूलिप में क्लब प्रेसिडेंट अनिल जैन, सचिव विमल गोलेछा के साथ सुरेंद्र कुमार जैन पांडया, अनिल-कुसुम,सुरेंद्र डिग्गीवाल व नेमी पाटनी ने किया। इस मौके पर आईसीआईसी प्राउडेंशियल के साथ हुई वार्ता में स्पीकर अंकेष रेखानी ने बताया कि कैसे हम हमारे फाइनेंशियल को सही तरह से मैनेज करे की अपना धन तेजी से बढ़े, इसके बारे में बताया। इस मौके पर क्लब सदस्यों का स्पीकर ने समाधान भी किया,साथ ही क्लब सदस्यों ने मनोरंजक कार्यक्रमों का लुत्फ उठाया।

आरयू के डॉ .आंबेडकर अध्ययन केंद्र में सघन पौधारोपण किए गए

जयपुर. शाबाश इंडिया

लेट्स फाइंड सोलेस इन नेचर ग्रेस विषय पर अंबेडकर अध्ययन केंद्र में प्रोफेसर व विद्यार्थियों कर्मचारियों ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बगीचा विकसित करने के साथ लोगों में पर्यावरण चेतना जागृत करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्र में 50 छायादार पेड़ रोपित किए गए। कुलपति प्रो.अल्पना कटेजा ने कहा वृक्षरोपण केवल एक कार्यक्रम नही है,यह विद्यार्थियों के सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने और स्वस्थ वातावरण बनाने में सहायक हैं। कार्यक्रम की संयोजिका व केंद्र की निर्देशिका डॉ.लोकेश्वरी ने पर्यावरण संरक्षण की भूमिका बताते हुए कहा कि प्रकृति हमारे शांत शिक्षक के समान है जो हमें शांति और प्रेरणा देती है। कार्यक्रम आयोजिका डॉ. अनुजा जैन,डॉ.स्वाति बत्रा,डॉ नीलम जोशी समेत कई प्रोफेसर व कर्मचारी विद्यार्थी मौजूद रहे।

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति का राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने हेतु जाने वाली 26 सदस्याओं का किया सम्मान

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति का राष्ट्रीय अधिवेशन सागर मध्य प्रदेश में निर्यापक मुनि पुंगव 108 श्री सुधा सागर जी महाराज के सानिध्य में में दिनांक 25..26 सितंबर 2024 को होने जा रहा है अधिवेशन में भाग लेने वाली सभी 26 सदस्याओं का आज रेलवे स्टेशन पर केसरिया तिलक लगाकर,माल्यार्पण करके सम्मान किया गया एवम यात्रा सफल हो के लिए शुभ कामनाएं प्रेषित की गई। समिति के महामंत्री कमल गंगवाल ने बताया कि राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के नेतृत्व में एवम युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा के संयोजन में अधिवेशन में अजमेर संभाग की भूमिका सर्वश्रेष्ठ रहे एवम कुंडलपुर जहा बड़े बाबा 1008 भगवान श्री आदिनाथ स्वामी का भव्य जिनालय है कि यात्रा निर्विघ्न संपन्न हो के लिए शुभ कामनाएं प्रेषित की गई। इस अवसर अध्यक्ष अतुल पाटनी, संरक्षक राकेश पालीवाल ,कोषाध्यक्ष श्रेयांस पाटनी एवम मनीष अजमेरा की ओर से अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई ।इस अवसर पर समिति अध्यक्ष अतुल पाटनी ,संरक्षक राकेश पालीवाल,महामंत्री कमल गंगवाल,कोषाध्यक्ष श्रेयांस पाटनी,उपाध्यक्ष ताराचंद सेठी, व्यवस्थापक मंत्री मनीष पाटनी,मनीष अजमेरा,डॉक्टर मनीष छाबड़ा,महेंद्र काला,मनोज सेठी,दिनेश पाटोदी आदि मोजूद रहे।

हिंदू धर्म सम्राट परमहंस स्वामी माधवानंद जी महाराज के ग्रंथ का विमोचन

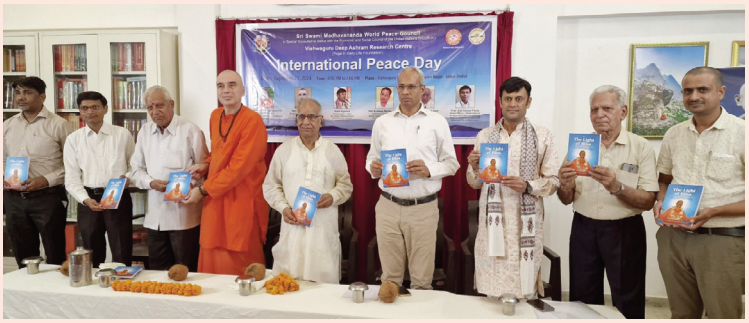

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व गुरु दीप आश्रम शोध संस्थान जयपुर में हिंदू धर्म सम्राट परमहंस स्वामी माधवानंद जी महाराज के द्वारा लिखी गई भजनों के ग्रंथ आनंद प्रकाश का विमोचन हुआ ।विमोचन प्रो. बनवारी लाल गौड आईएएस कुलदीप रांका व प्रो. डॉ.असित पांजा के द्वारा शोध संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में किया गया। शोध संस्थान के उपाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी महाराज ने बताया कि विश्व गुरु जी ने इस पुस्तक में मारवाड़ी भाषा में भजनों को लिखा है जिसका हिंदी अनुवाद वैद्य गोपीनाथ पारीक गोपेश जी ने किया है तथा स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी ने इसकी व्याख्या तथा अंग्रेजी भाषा में अनुवाद किया है । उन्होंने यही बताया कि दादा गुरुजी के द्वारा लिखी गई इस पुस्तक के भजनों का गान 100 से अधिक देशों में फैले हुए उनके भक्तगणों के द्वारा किया जाता है। पुस्तक विमोचन के अवसर पर विश्व गुरु जी के सचिव कपिल अग्रवाल , वैद्य गोपीनाथ पारीक गोपेश प्रो. कैलाश चतुर्वेदी, डॉ.रघुवीर शर्मा, डॉ.सुरेंद्र शर्मा,तथा भारी संख्या में श्रोतागण उपस्थित रहे।

ज्ञान वह, जो हमारे भीतर में रहे हुए सामर्थ्य का बोध कराएं: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

एएमकेएम में पुच्छिस्सुणं संपुट की चौदहवीं गाथा का हुआ जाप

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। सच्चा ज्ञान केवल बाहरी सूचना या जानकारी प्राप्त करना नहीं है, बल्कि वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने अंदर मौजूद शक्तियों और क्षमताओं को पहचानता और समझता है। मंगलवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार में पुच्छिस्सुणं संपुट की चौदहवीं गाथा का श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज के सान्निध्य मे जाप हुआ। युवाचार्य श्री ने गाथा का महत्व बताते हुए कहा कि इस गाथा में परमात्मा के गुणात्मक स्वरूप का वर्णन करते हुए कहा गया हैं कि जैसे महान मेरु पर्वत का यश है, वैसे ही परमात्मा के ज्ञान, दर्शन, शील को समझना चाहिए। उन्होंने कहा यश की अपेक्षा प्रत्येक व्यक्ति को रहती है। यश यानी ख्याति, प्रसिद्धि, फेम। यश नाम कर्म से जुड़ा हुआ है। हमारे भीतर में रहे हुए सद्गुण लोगों के नाम पर जोड़ देते हैं तो हम मन ही मन बहुत दुःखी हो जाते हैं। यश नाम कर्म है, औरों के कर्म हमारे काम नहीं आते। सद्गुण हमारी निजी संपत्ति, निजी सामर्थ्य है। वह यदि हमारे अंदर है तो वह यश है। परमात्मा का नाम उनके गुणों से समृद्ध है। यह हमारा कहीं भी किसी जगह पर जानने का सही तरीका है। उन्होंने कहा मेरु पर्वत श्रेष्ठ है। जैसे परमात्मा की जाति श्रेष्ठ है, वे क्षत्रिय वर्ण के थे। उनका जन्म श्रेष्ठ था, इसलिए वे कभी डगमगाए नहीं। श्रेष्ठ वंश, श्रेष्ठ कुल में उनका जन्म हुआ। इन्द्र देव द्वारा अभिषेक करते समय भगवान ने अपना अंगूठा दबाया और मेरु पर्वत के कंपन को इन्द्र देव ने भांप लिया। जिन चीजों के लिए आप पूरा जन्म लगा देते हो, वह परमात्मा को जन्म से ही मिला हुआ था। भगवान जब माता के गर्भ में थे तो उन्होंने निश्चय किया कि माता को मेरे कारण कष्ट नहीं पहुंचे। वे लाखों जीवों को तारने वाले तीर्थंकर थे।